

# डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, लेक्चर 20, शाऊल से डेविड तक

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. एलेन फिलिप्स अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान संख्या 20 में कह रही हैं।

हमारे पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आपका नाम ऊंचा हो, हमारे बीच ऊंचा हो, हमारे दिलों में ऊंचा हो। पिता, हम आभारी हैं कि आप हमारे परमेश्वर हैं।

और यीशु ने जो किया है, हमें महान बनाने के लिए नीचे झुकने के कारण, हम वास्तव में मसीह के माध्यम से उद्धार के जबरदस्त आशीर्वाद और लाभ का आनंद लेते हैं। प्रभु, जैसा कि हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते हैं, हम आपको उन कई अन्य आशीर्वादों के लिए भी धन्यवाद देते हैं जो आपने अभी-अभी हमें दिए हैं। हम यहाँ होने के लिए आभारी हैं।

हम दोस्तों, संगति और ईसाई समुदाय के लिए आभारी हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि हम इस समुदाय के अच्छे सदस्य बनें और उन लोगों की मदद करें जो किसी भी कारण से संघर्ष कर रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आपकी दया और कृपा उन पर बरसती रहे।

हम आपसे प्रार्थना करेंगे कि हम आज वे सबक सीखें जो आप चाहते हैं कि हम सीखें। और हमेशा की तरह, हम प्रार्थना करेंगे कि आप हमें अपने दिलों में अपने वचन को गहराई से रोपने के माध्यम से आपके सेवक बनने के लिए तैयार होने में मदद करें। हम ये बातें मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ माँगते हैं। आमीन।

खैर, हमें थोड़ा सा समीक्षा करनी है क्योंकि हम दाऊद के उत्थान और शाऊल के पतन की ओर बढ़ते हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले, बस थोड़ी और कलाकृति पर काम करना है।

जाहिर है, हमारे पास यहाँ एक तस्वीर है जो किसको दर्शाती है? और डेविड, है न? अब, डेविड कौन है? है न। डेविड यहाँ वीणा के साथ हाथ है। ध्यान दें कि शाऊल के मुकाबले यह चित्रण कितना छोटा है।

ध्यान दें कि वह कौन सी खास चीज़ पकड़े हुए है। यह भाला है, है न? और, ज़ाहिर है, हमें आज के लिए जो कुछ भी पढ़ा है, उसके बारे में सचेत रहना चाहिए। जब शाऊल पर दुष्ट आत्मा आती है, तो दाऊद उसकी आत्मा को शांत करने के लिए वीणा बजाता है।

और फिर भी शाऊल उस दुष्ट आत्मा से इतना परेशान है कि एक से अधिक बार, वह उसे दाऊद को मारने की कोशिश करने के लिए फेंकता है और फेंकता है। तो, यहाँ दो व्यक्तियों के बीच एक बहुत ही दिलचस्प विरोधाभास है: दाऊद पर प्रभु की आत्मा और शाऊल से प्रभु की आत्मा को हटा दिया गया। हम इसके बारे में थोड़ी देर में बात करने जा रहे हैं।

ये सिर्फ़ कुछ चीज़ें हैं जो हमें याद दिलाती हैं कि हम पिछली बार क्या कर रहे थे - एक और अच्छी छोटी कलाकृति जो आज सुबह हमें थोड़ा उत्तेजित करने के लिए है। लेकिन हमने कहा, जैसा कि हम शाऊल के जीवन के बारे में बात कर रहे थे, कि शास्त्र में उसके राजत्व को छीने जाने के दो कारण बताए गए हैं, सबसे पहले, गिलगाल में उसका दुस्साहसिक बलिदान।

उसे शमूएल के आने तक सात दिन तक इंतज़ार करना था। उसने बहुत ज़्यादा इंतज़ार नहीं किया। उसने सात दिन इंतज़ार किया और फिर बलि चढ़ा दी।

बेशक, वह कोई पुजारी नहीं है या लेवी की वंशावली में भी नहीं है, और उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा किया। और फिर, दूसरी बात, परमेश्वर ने आदेश दिया था कि वह अमालेकियों को पूरी तरह से नष्ट करके उनसे निपटे। और बेशक, उसने वे सभी बेहतरीन बलिदान छोड़े।

उसने कहा था कि वे यही होने जा रहे हैं, लेकिन मूल रूप से यह जानवर और अन्य चीज़ें थीं, और राजा को भी जीवित छोड़ दिया गया। इन कारणों से, शाऊल से राजत्व छीन लिया गया। हम इसके बारे में कुछ सवाल पूछने जा रहे हैं।

ठीक है? सबसे पहले, आपने दाऊद की कहानी पढ़ी है, और अगर आपने आज इसे नहीं पढ़ा है, तो भी आप शायद दाऊद ने जो किया, उसके बारे में बहुत कुछ जानते होंगे। शाऊल के पाप इतने ज़्यादा बुरे क्यों हैं? शाऊल के पाप दाऊद के पापों से ज़्यादा बुरे कैसे हैं? हम आज उन पर ज़्यादा चर्चा नहीं करेंगे। शुक्रवार को हम उन पर चर्चा करेंगे, लेकिन दाऊद की कहानी काफ़ी मशहूर है।

यह कोई बयानबाजी वाला सवाल नहीं है। मैं जानना चाहता हूँ कि आप क्या सोचते हैं। शाऊल के पाप इतने ज़्यादा बुरे कैसे हैं? ठीक है, आप जानते हैं, वह बलिदान चढ़ाने के लिए बहुत देर तक इंतज़ार नहीं करता, हर चीज़ और हर किसी को नहीं मारता।

डेविड ने क्या किया? क्या संडे स्कूल से कोई जानता है? सारा? खैर, किसी तरह, कुछ ऐसा जो उन पवित्र प्रसादों से संबंधित है, हाँ। ठीक है। अच्छा।

ठीक है, तो व्यभिचार और हत्या का दोषी, बाथशेबा के साथ व्यभिचार का दोषी, उसके पति उरीया को खत्म कर दिया। क्रिस्टन? मुझे लगता है... दिल का मामला क्या है? मुझे लगता है... मुझे नहीं पता। मेरा मतलब है, जैसे, आप स्पष्ट रूप से इन लोगों को नहीं जान सकते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि जब शाऊल पाप कर रहा था, तो उसका इरादा मानवता को पूरी तरह से खत्म करना था, जैसे, डेविड ने स्वीकार किया।

और मुझे याद है, जैसे, उसके बाद, उसके व्यभिचार के बाद, जैसे, वह इसके बारे में बहुत विनम्र था और ऐसा था, जैसे, मुझे आपकी ज़रूरत है कि आप मुझे माफ़ कर दें। और शाऊल बस ऐसा था, नहीं, वास्तव में, मुझे आपकी ज़रूरत नहीं है, भगवान। जैसे, यह बस एक तरह का था... ठीक है, तो आप कह रहे हैं कि उनकी विनम्रता और भगवान के सामने उनके रुख के संदर्भ में एक अंतर है, और वे कबूल करने के लिए तैयार हैं और इसी तरह।

हाँ, मुझे लगता है कि हम अंततः उसी दिशा में जा रहे हैं, लेकिन मैं इसे थोड़ा आगे बढ़ा दूँगा। डेविड, और फिर से, हम इसे शुक्रवार को देखेंगे, वह तब तक कबूल नहीं करता जब तक सैमुअल वास्तव में... माफ़ करें, नाथन वास्तव में आता है और उसे बताता है कि उसने क्या गलत किया है। अन्यथा, वह इसे छिपाने के व्यवसाय में है।

तो, भविष्यवक्ताओं को आकर यह कहना पड़ता है कि, यह एक दृष्टांत है। इस दृष्टांत में आप ही हैं। फिर से, हम इसे शुक्रवार को देखेंगे।

लेकिन मुझे लगता है कि आप सही कह रहे हैं कि यह दिल का मामला है। आखिरकार, भगवान खुद कहते हैं कि वह एक ऐसे व्यक्ति के लिए जा रहे हैं जो भगवान के दिल के मुताबिक है। और डेविड वास्तव में भगवान के दिल के मुताबिक एक व्यक्ति है।

और मुझे लगता है कि हम देखेंगे कि इसका सब कुछ उसकी विनम्रता और यह पहचानने की उसकी क्षमता से जुड़ा है कि वह पूरी तरह से गलत है, जब वह उस बिंदु पर आता है। जबकि शाऊल थोड़ा बहुत छुपाता है और जैसा कि हमने पिछली बार कहा था, शाऊल अपने सम्मान में स्मारक बनाने और यह सुनिश्चित करने में काफी व्यस्त है कि लोकप्रिय दृष्टिकोण में उसके सम्मान का समर्थन किया जाए और इसी तरह। इसलिए मुझे लगता है कि ऐसी कुछ चीजें हैं।

ट्रेवर? मुझे लगता है कि, शाऊल के मामले में, उसे उसके कार्यों के लिए इतनी जल्दी सजा दी गई कि उसे पश्चाताप करने का मौका भी नहीं मिला, अगर वह ऐसा कर भी सकता था। और इस तरह, मुझे पता है कि भगवान द्वारा किसी को इतनी जल्दी सज़ा देना वाकई अजीब लगता है। बढ़िया बात है।

दूसरे शब्दों में, संक्षेप में कहें तो, शायद यहाँ कुछ सवाल है जिसे वास्तव में उठाने की आवश्यकता है क्योंकि शाऊल को बहुत जल्दी न्याय मिल जाता है, और फिर भी दाऊद के पास समय है जो परमेश्वर उसे पश्चाताप करने के लिए देता है, और परमेश्वर उसे नबी नाथन और इसी तरह के अन्य लोगों को भेजता है ताकि उसे उस बिंदु तक लाया जा सके जहाँ वह पश्चाताप करेगा। तो आप कुछ ऐसी चीजें देख रहे हैं जो अभी भी आपको इस बारे में थोड़ा असहज बनाती हैं। ठीक है, चेल्सी? ठीक है, आप परमेश्वर की आत्मा की उपस्थिति का मुद्दा उठा रहे हैं।

एक तरफ, यह शायद दाऊद के साथ एक स्थायी उपस्थिति प्रतीत होती है। दूसरी तरफ, यह शाऊल पर आती है। परमेश्वर भी बहुत सीधे इसे दूर कर देता है।

हम प्रभु की आत्मा के मुद्दे पर थोड़ी देर में बात करेंगे। तो यह आगे आने वाला है। लेकिन आपकी बात अच्छी तरह समझी गई है।

और कुछ? एक बात... आगे बढ़ो। मुझे खेद है, सुझाना। तो जब आप कथाएँ पढ़ रहे हैं, तो आप देख रहे हैं कि ईश्वर और डेविड या डेविड और ईश्वर के बीच एक निरंतर, बहुत ही व्यक्तिगत संबंध है।

जबकि आप इसे इतनी स्पष्टता से नहीं देख सकते, कम से कम उन चीजों में तो नहीं जिन्हें हम देख सकते हैं जैसे कि शाऊल का हृदय। यह विचार कि शाऊल का हृदय बदल गया था और लोग शाऊल को भविष्यवाणी करते देखकर बहुत हैरान हो जाते हैं। आप जानते हैं, भविष्यवक्ताओं के बीच शाऊल, वगैरह, ऐसा लगता है कि दाऊद का हृदय बदल गया था। शाऊल के लिए आत्मा की ये अभिव्यक्तियाँ, मैं यह कहने की हिम्मत करता हूँ, अस्थायी हैं और जरूरी नहीं कि वे अंदर रहने वाली स्थायी आत्मा का सबूत हों।

अब, आप जानते हैं, मैं यहाँ परमेश्वर होने और शाऊल का न्याय करने के व्यवसाय में नहीं हूँ। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। हालाँकि, सिर्फ पाठ पढ़ने से, मुझे लगता है कि हम यह सुझाव दे सकते हैं कि ऐसा हो सकता है।

खैर, मुझे इसके बारे में बाद में और भी कुछ कहना है। कुछ और सवाल। जब शाऊल से राज्य छीन लिया गया, तो परमेश्वर ने शाऊल को इतने लंबे समय तक राजा क्यों रहने दिया और उसे इतनी यातनाएँ क्यों सहनी पड़ीं? क्योंकि वह ऐसा करता है।

मेरा मतलब है, यहाँ एक वास्तविक व्यामोह चल रहा है, और यह कुछ ऐसा है जो शाऊल को परेशान कर रहा है, और आप इसे बता सकते हैं। मुझे संदेह है कि अगर मनोवैज्ञानिकों ने उसे पकड़ लिया, तो उनके पास सुझाने के लिए वास्तव में कुछ दिलचस्प निदान होंगे। और वैसे, कुछ मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने शाऊल पर कुछ दिलचस्प काम किया है।

लेकिन क्यों? क्यों डेविड का पीछा करते हुए, हर जगह उसका पीछा करते हुए, उसे मारने की कोशिश करते हुए, और फिर भी राज्य पर कब्ज़ा करते हुए, जबकि वह जानता है, क्योंकि वह जोनाथन से कहने जा रहा है, तुम जानते हो, जब तक तुम, जोनाथन, डेविड के दोस्त हो, तुम्हें यह समझना होगा कि तुम कभी राजा नहीं बनोगे और मेरा वंश आगे नहीं बढ़ेगा। तुम क्यों सोचते हो कि भगवान उसे इसके लिए वहाँ छोड़ देते हैं? आगे बढ़ो, रेबेका। ठीक है।

तो, इसका संबंध शाऊल से कम और डेविड की तैयारी से ज़्यादा है, जो, जैसा कि हम जानते हैं, जब वह पहली बार यहाँ आया था, तब वह बहुत छोटा था। अच्छा। हाँ, जिंजर।

तो, यह व्यापक जनता के लिए एक सबक है, जिन्हें अभी भी यह सीखने की ज़रूरत है कि राजा ज़रूरी नहीं कि हर समस्या का समाधान हो, संभवतः। संभवतः। क्या शाऊल को ज़्यादा समय देना वास्तव में उसके प्रति दया है? क्या यह भी हो सकता है? ये सब ठीक है, लेकिन क्या हम इसे भी जोड़ सकते हैं और सुझाव दे सकते हैं कि शायद शाऊल एमोरियों की तरह ही है।

हमारे एमोरी लोग याद रखें जो 400 साल से इस देश में रह रहे हैं, और परमेश्वर उन्हें इस पूरे समय के लिए नष्ट करने के लिए इस्राएल का उपयोग नहीं करता है। उनके पास अतिरिक्त समय है। बेशक, त्रासदी यह है कि वे, और इस मामले में, शाऊल, इसका लाभ नहीं उठाते हैं।

मैं सुझाव दूंगा कि शाऊल अंत तक अपने दिल को कठोर बनाए रखता है, जहाँ वह गिलबोआ पर्वत पर दुखद रूप से अपनी जान ले लेता है। खैर, किसी भी तरह से, फिर से, इन बातों के सभी

उत्तर हमारे पास नहीं हैं। हम प्रभु की आत्मा और दुष्ट आत्मा को कैसे समझते हैं? मैं थोड़ी देर में उस पर वापस आऊंगा।

हमने उनमें से कुछ को पहले ही उठाया है, लेकिन मैं बस यह सुझाव देना चाहता हूँ कि जब हम इन सभी चर्चाओं को करते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें अंततः एक बात पर वापस आना चाहिए कि हम ईश्वर द्वारा किए जाने वाले हर कार्य के हर पहलू को परिभाषित करने की स्थिति में नहीं हैं। जैसा कि वाल्टर ब्रूगेमैन कहते हैं, ईश्वर को वश में नहीं किया जा सकता। कभी-कभी ऐसी कुछ परिस्थितियों में हमें यह एहसास होता है।

तो फिर परमेश्वर ने शाऊल को राजा क्यों चुना और ऐसी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय आपदा की अनुमति क्यों दी? फिर से, यह सिर्फ सोचने वाली बात है। मैं अभी इस पर ज़्यादा समय नहीं लगाऊंगा, लेकिन जब आप इसे व्यक्तिगत दृष्टिकोण से देखते हैं, तो ये कुछ बहुत ही मुश्किल चीज़ें हैं जिनसे जूझना वाकई मुश्किल है। बेशक, इसी तरह के सवाल हमारे दायरे में भी आ सकते हैं।

भगवान इनमें से कुछ चीज़ें क्यों करते हैं? वह उन्हें क्यों अनुमति देता है? अभी हमारे पास केवल आंशिक उत्तर हैं, एक पर्दे के माध्यम से। बेशक, यहीं पर हमें अपने दिल और दिमाग में भगवान और उनकी परम संप्रभुता और भलाई में हमारे विश्वास और आस्था और भरोसे को काम में लाने की जरूरत है। खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं।

आज हमारे पास करने के लिए बहुत सी चीज़ें हैं। बेशक, कुछ चीज़ें ऐसी हैं जो आप जानना चाहेंगे। जैसा कि हम जानते हैं, डेविड यहूदा का गोत्र है।

यहूदा का गोत्र, उत्पत्ति 49 पद 10, वह गोत्र रहा है जो परमेश्वर की दृष्टि में राजा बनने के लिए था। इसलिए यह महत्वपूर्ण होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम खुद को याद दिलाएँ कि रूत भी इसी वंश में है।

रूत, मोआबी स्त्री। यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि आज आपने जो पढ़ा है उसमें एक समय ऐसा आता है जब दाऊद शाऊल से भागते हुए इतने तनाव में होता है कि वह अपने पिता और माता को लेकर कुछ समय के लिए मोआब में सुरक्षित स्थान पर चला जाता है। और वह उन्हें अपने गृह क्षेत्र में ले जाता है।

यही कारण है कि ऐसा क्यों है। उसे शमूएल ने अभिषिक्त किया है, और यह एक बहुत ही दिलचस्प संदर्भ है। अगर आपके पास बाइबल है, तो मैं वास्तव में शमूएल 16 पर वापस जा रहा हूँ ताकि यहाँ चल रही दिलचस्प बातों पर एक नज़र डाल सकूँ।

प्रभु ने शमूएल को बेथलेहम भेजा। क्या शमूएल को प्रभु के आदेश पर पूरी तरह से आगे आना था कि उसे क्या करना है? इसका उत्तर है नहीं। क्योंकि शमूएल कहता है, हे भगवान, अगर शाऊल को पता चल गया कि यह बहुत भयानक होने वाला है, तो वह मुझे मार डालेगा।

और इसलिए, प्रभु कहते हैं, तुम बस जाओ और कहो कि तुम एक बलिदान करने जा रहे हो, एक बलिदान करने जा रहे हो। बेशक, यह पूरी सच्चाई नहीं है। लेकिन यह शमूएल के जीवन को बचाने के लिए सच्चाई है क्योंकि वह वहाँ नीचे जा रहा है।

आपने पूरी बात तय कर ली है। जैसी अपने पहले तीन बेटों को शमूएल के सामने लाता है। तब शमूएल, प्रभु के निर्देश पर कहता है, नहीं, यह सही नहीं है।

यह सही नहीं है। यह सही नहीं है। और अंत में, डेविड, जो चरवाहे के रूप में बाहर गया था, को अंदर लाया जाता है।

यहाँ पर हम एक और उदाहरण पाते हैं जहाँ परमेश्वर ने बहुत स्पष्ट रूप से अपने चुने हुए व्यक्ति को दर्शाया है। क्योंकि वह सबसे छोटा है। इस संदर्भ में दाऊद सबसे छोटा है।

ध्यान दें कि अध्याय 16, श्लोक 13 में, जब दाऊद का अभिषेक किया गया, तो उसमें लिखा है, शमूएल ने तेल का सींग लिया, और उसके भाइयों की उपस्थिति में उसका अभिषेक किया। उस दिन से, प्रभु की आत्मा सामर्थ्य के साथ दाऊद पर उतरी। यह वही अभिव्यक्ति है जिसका उपयोग कुछ न्यायियों के साथ किया गया था।

आप जानते हैं, जब परमेश्वर के पास उस न्यायाधीश के लिए कुछ खास करने के लिए होता है, तो प्रभु की आत्मा शक्ति के साथ उस पर आती है, उसे कपड़े पहनाती है, वास्तव में। और फिर वह ऐसा करने में सक्षम होता है। उसी समय, अगले ही श्लोक में, और इसीलिए यह इतनी महत्वपूर्ण बात है, श्लोक 14, प्रभु की आत्मा शाऊल से दूर हो गई थी, और प्रभु से एक दुष्ट आत्मा, मुझे पता है कि आपके NIV में कहा गया है कि उसे पीड़ा हुई, वास्तव में उस पर गिर गई, उसे भयभीत कर दिया, उसे चौंका दिया।

ये सही शब्द हैं। कुछ ऐसा जो आप बस, अगर आप अपनी कल्पना का उपयोग करें, तो मैं सुझाव दूंगा कि यह वास्तव में एक दुष्ट आत्मा है जो उसे अंदर से परेशान करने के लिए भयानक चीजें कर रही है। और हम निश्चित रूप से ऐसा होते हुए देखते हैं क्योंकि हम देखते हैं कि शाऊल को अपनी आत्मा को शांत करने के लिए कुछ करने की आवश्यकता है।

खैर, इस संबंध में बस कुछ विचार हैं, और निश्चित रूप से, जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा था, मेरे पास यहाँ सभी उत्तर नहीं हैं। लेकिन यहाँ प्रभु की ओर से इस पूरी दुष्ट आत्मा के संदर्भ में कुछ सुझाव दिए गए हैं। सबसे पहले, आत्मा के संदर्भ में, कैपिटल एस, यदि आप चाहें, तो परमेश्वर की आत्मा, कुछ उद्देश्यों का सुझाव देते हुए, संकेत करती है कि शाऊल को चुना गया था।

मैंने कुछ क्षण पहले ही यह कहा था। जब शमूएल द्वारा उसका पहली बार अभिषेक किया जाता है, तो हम अब पहले के अध्यायों पर वापस जा रहे हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि वह भविष्यवाणी कर रहा है, और यह संकेत है कि उसे चुना गया है। वह इस्राएल को विजय की ओर ले जाता है।

बाद में, यही आत्मा संदर्भ में वापस आएगी। अध्याय 19, आप इसे खुद पढ़ सकते हैं, वास्तव में दाऊद को शाऊल से बचाने के लिए। इसलिए भले ही दुष्ट आत्मा शाऊल को पीड़ा दे रही हो, फिर भी आत्मा उसे बचाने के लिए कुछ बिंदुओं पर भविष्यवाणी करवा रही है।

और फिर मेरा सुझाव है, और मुझे एहसास है कि यह कुछ बहुत ही दिलचस्प धार्मिक क्षेत्र में आता है, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप इन सभी विवरणों को एक साथ रखते हैं, और मैंने इसे अभी यहाँ रखा है, और मैंने पहले ही कहा है, कि हमारे पास जो है वह आत्मा है जो विशेष रूप से, शक्तिशाली रूप से, और अस्थायी रूप से शाऊल में या शायद शाऊल पर कुछ उद्देश्यों को पूरा करने के लिए खुद को प्रकट करती है, और उनमें से कुछ चीजें वहाँ हैं। इसलिए, मैं यह सुझाव नहीं देने जा रहा हूँ कि यह एक अंतर्निहित आत्मा है। अगला बिंदु: यह त्रासदी है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में पिछले प्रश्न के हमारे कुछ उत्तरों में आता है।

शाऊल के दो उदाहरण हैं जहाँ हम सीखते हैं कि राजत्व उससे छीन लिया गया है, लेकिन शाऊल के वर्णन में निरंतर अवज्ञा, निरंतर विद्रोह, निरंतर स्वार्थीपन है जैसा कि हम इसे पढ़ते हैं। और इसलिए, उस अंश में जो मैंने अभी पढ़ा, आत्मा हटा दी गई है। भजन 51 में, जिसका हम लगभग दो सप्ताह में अध्ययन करने जा रहे हैं, और जिसे आपने हिब्रू में गाया है, मुझे एहसास हुआ, ठीक है? अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे मत छीनो।

दाऊद ने देखा है कि शाऊल के साथ क्या हुआ। और मैं सुझाव दूंगा कि जैसे ही वह भजन सामने आता है, और निश्चित रूप से, दाऊद स्वयं आत्मा की प्रेरणा के तहत लिख रहा है, शाऊल के साथ जो हुआ उसे देखने के उस अनुभव के बारे में कुछ भी हो सकता है जो उसके रोने, उसके अपने पापों में फंसने के बाद उसकी विनती के पीछे की प्रेरणा भी हो सकती है। क्योंकि भजन 51 बतशेबा और उरीया के साथ हुई स्थिति के बाद लिखा गया है।

डेविड को अच्छी तरह पता है कि उसने आत्मा की उपस्थिति खो दी है, और भगवान उसे हटाने के मामले में ऐसा कर सकते हैं। और इसलिए, वह प्रार्थना करता है कि भगवान आत्मा को न हटाएँ। खैर, यहाँ बाकी का हिस्सा है, या मुझे कहना चाहिए, तस्वीर का दूसरा पहलू है।

हमने प्रभु की आत्मा के उद्देश्यों के बारे में बात की। हमने इस दुष्ट आत्मा के बारे में कुछ उल्लेख किए हैं। और फिर से, इन बातों पर सोचना और बात करना कठिन है।

लेकिन जब आप इनमें से प्रत्येक अंश को पढ़ते हैं, और आप देखते हैं कि अवज्ञा और विद्रोह की ओर उसकी निरंतर प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप शाऊल के साथ क्या हुआ, तो मैं सुझाव दूंगा कि यह शाऊल के खिलाफ परमेश्वर के न्याय का हिस्सा है। फिर से, यह कहना मुश्किल है, और मेरे पास इसे एक साथ रखने के तरीके नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह जो हो रहा है उसका हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के बाद, मुझे लगता है कि हमें अपनी सोच में उस स्थान पर वापस आने की ज़रूरत है कि परमेश्वर इन सभी चीज़ों का उपयोग करता है, सभी चीज़ें अपने अच्छे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, इस्राएल की ओर से अपने अच्छे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, दाऊद को राजत्व में लाने के लिए।

हम समय की विस्तारित अवधि के बारे में अधिक बात करने जा रहे हैं। दाऊद खुद को उस समय के दौरान एक नेता के रूप में दिखाएगा और साथ ही वह एक ऐसा व्यक्ति भी होगा जो प्रभु के अभिषिक्त को छूने के लिए कुछ भी नहीं करने के लिए पूरी तरह से चिंतित है। आज आपने जो पढ़ा है उसमें दाऊद के पास शाऊल को अस्तित्व से मिटाने के कई मौके थे, और वह ऐसा करने से बचता है क्योंकि वह ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जो प्रभु के अभिषिक्त को छूएगा।

वह सिंहासन हड़पने का आरोप भी नहीं लगाना चाहता। मेरा मतलब है, एक बहुत ही व्यावहारिक दृष्टिकोण से, यह भी तस्वीर का एक हिस्सा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शाऊल को आत्मा द्वारा पीड़ा दी गई थी, इसलिए हम वास्तव में दाऊद को शाऊल की उपस्थिति में लाते हैं।

और इसलिए, फिर से, इस सब पर ईश्वर की बहुत अच्छी दैवी निगरानी में, यह उन चीजों में से एक है, बहुत व्यावहारिक रूप से, जो डेविड को अदालत में ले जाती है, बजाय बेथलेहम में भेड़ चराने के, क्योंकि यहाँ उसे शुरू से ही अदालती प्रक्रिया में लाया गया है। खैर, हम जो करने जा रहे हैं वह यह है कि सबसे पहले हम डेविड के जीवन को उन अच्छी चीजों के संदर्भ में देखेंगे जो उसके साथ हुई, और फिर हम उन अच्छी चीजों को देखेंगे जो इतनी अच्छी नहीं थीं, लेकिन याद रखें कि उन दोनों का उपयोग किया जाता है, उन दोनों श्रेणियों की चीजों का उपयोग ईश्वर अपनी संप्रभुता और अपने दैवी विधान में करता है ताकि यह सब अच्छे के लिए एक साथ काम करे। जैसा कि हमने अभी कहा, डेविड को एक सुखदायक उपस्थिति होने के लिए बुलाया गया है।

संगीत चिकित्सा, अगर आप इसे इस तरह से सोचना चाहते हैं। आप में से कुछ लोग जो संगीत में माहिर हैं, वे संगीत चिकित्सा में जा सकते हैं। यह एक बड़ी बात है, और बहुत से लोग आपको इस तरह की चीजों के सभी लाभ बता सकते हैं।

इसलिए, वह शाऊल की परेशानी को दूर करने के लिए संगीत प्रदान करता है। अध्याय 17, बेशक, हमारा डेविड और गोलियत का प्रसंग है, और मुझे आपको वह कहानी बताने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन मुझे इसके संबंध में कुछ बिंदु बनाने की ज़रूरत है। हम थोड़ी देर में एक मानचित्र देखेंगे और देखेंगे कि यह कहाँ घटित होता है।

लेकिन बात यह है कि जब डेविड युद्ध के लिए जाता है, तो वह वास्तव में अपने भाइयों के लिए भोजन की व्यवस्था करने और उनकी जांच करने के लिए ही जाता है। और जब मैं थोड़ी देर में मानचित्र देखूंगा, तो मैं आपको दिखाऊंगा कि यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है और उसके पिता उसे वहां भेजने के लिए क्यों चिंतित होंगे।

लेकिन मूल रूप से यही कारण है कि वह जा रहा है। हालाँकि, यहाँ कई सबकों में से एक सबक है जो हम इससे प्राप्त कर सकते हैं। यह पता चलता है कि वह अब तक जो कुछ भी कर रहा था, आप जानते हैं, शेरों और भालुओं पर पत्थर फेंकना और भेड़ों की देखभाल करना, बिल्कुल वही तैयारी थी जिसकी उसे ज़रूरत थी।

बिल्कुल सही। भले ही वह शायद ऐसा नहीं सोचता था, और भले ही उसके भाई उसे नीची निगाह से देखते थे और कहते थे, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? तुम्हें भेड़ों के साथ वापस जाना चाहिए था। लेकिन परमेश्वर ने उसे तैयार कर रखा था।

तो, आप जानते हैं, इसे अपने जीवन में शामिल करें। वे सभी चीज़ें जो आपके जीवन का हिस्सा हैं। भगवान उनका उपयोग करेंगे।

भले ही उनमें से कुछ अभी आपको बहुत महत्वपूर्ण न लगें, लेकिन सालों पहले, जब मैं एक अलग संस्थान में पढ़ाता था, तो संस्थान के अध्यक्ष ने एक दिन चैपल में भाषण दिया। उस समय उनकी उम्र लगभग 50 के आसपास थी, और उन्होंने अपनी सारी नौकरियाँ बताईं, और वे लंबे समय तक काफी मामूली नौकरियाँ थीं, और कहा, आप जानते हैं, जब वह उनसे गुज़र रहे थे, तो उन्होंने सोचा, इस समय भगवान क्या कर रहे हैं? मुझे समझ नहीं आता कि मेरा जीवन ऐसा क्यों है। मुझे समझ नहीं आता कि यह कहाँ जा रहा है।

और फिर भी, पीछे मुड़कर देखने पर, जब उसने पीछे देखा, तो वह उन महत्वपूर्ण मुद्दों और सबक और चीज़ों की ओर इशारा कर सकता था, जिनका उपयोग परमेश्वर ने उनमें से प्रत्येक से किया था, क्योंकि वे उसके जीवन के उस मोड़ पर एक साथ जुड़े हुए थे। तो, आप जानते हैं, दाऊद भेड़ों पर पत्थर फेंक रहा है। वह गोलियत के रूप में इस्राएलियों के सबसे बुरे दुश्मन को मारने जा रहा है।

दूसरी बात जो मैं आपको इस कहानी के बारे में बताना चाहता हूँ वह है दाऊद की कही बात क्योंकि यह उसके चरित्र के बारे में कुछ कहती है। वह पूरी तरह से आश्वस्त है कि इस्राएल का परमेश्वर इस्राएल को फरीसियों से बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा वह करेगा। वह इस बात से पूरी तरह से आश्वस्त है, और वह इस बात से भी पूरी तरह से परेशान है कि गोलियत ने मूल रूप से उस परमेश्वर का पूरी तरह से उपहास और तिरस्कार किया है।

और इसलिए, उसके आत्मविश्वास के संदर्भ में भी, और जैसा कि क्रिस्टन ने पहले कहा था उसका कठोर रवैया, मुझे लगता है कि यह उन चीज़ों में से एक है जो हमने उससे सीखी हैं। अब, डेविड और गोलियत की घटना के बारे में बहुत कुछ कहा जाना बाकी है, लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा। वह एक लोकप्रिय योद्धा है।

वास्तव में, वह इतना लोकप्रिय योद्धा है कि यह बात शाऊल को बहुत क्रोधित करती है। यह बात कई बार दोहराई जाती है। महिलाएँ गा रही हैं, नाच रही हैं और इसी तरह की बातें कर रही हैं, और वे कहती हैं, शाऊल ने अपने हज़ारों लोगों को मार डाला है, दाऊद ने अपने दसियों हज़ार लोगों को, जो, ज़ाहिर है, शाऊल को बहुत ज़्यादा खुश नहीं करता।

लेकिन वह लोकप्रिय है। दाऊद लोकप्रिय है। इसके परिणामस्वरूप, वह शाऊल का दामाद बन जाता है क्योंकि शाऊल की बेटी मीकल उससे प्यार करने लगती है।

वास्तव में, यह पवित्रशास्त्र में एक ऐसा स्थान है जहाँ हम एक महिला को वास्तव में प्यार करते हुए पाते हैं, और पवित्रशास्त्र कहता है, आदमी और दाऊद उसे पाने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प कीमत चुकाते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, शाऊल अभी भी दाऊद को खत्म करना चाहता है, और इसलिए वह कहता है, ठीक है, मैं चाहता हूँ कि तुम अपने हाथ में 100 पलिश्टी

खलड़ियाँ लेकर आओ, और दाऊद 200 लेकर आता है, और इसके लिए, उसे अपनी दुल्हन मिल जाती है। वैसे, यह एक खूनी समय है।

क्या आपने ध्यान दिया, जब आप पाठ पढ़ रहे थे, कि दाऊद ने गोलियत को मारने के बाद क्या किया? वह शाऊल के सामने सिर पकड़कर आता है। यह बस वैसा ही था जैसा कि हुआ। और इस मामले में, वह 200 पलिशियों की खलड़ियाँ लेकर शाऊल के सामने आता है।

यह बिल्कुल वैसी चीज़ नहीं है जिसे हम स्वादिष्ट समझते हैं। यह बहुत ही भयानक चीज़ है। वह, अगर मैं इस बात को समझ पाऊँ, जोनाथन की दोस्ती का पात्र भी है।

जोनाथन उससे उम्र में बड़ा है। अगर आप इसका कालक्रम देखें, तो हमें कम से कम आधी पीढ़ी, शायद उनके बीच एक पूरी पीढ़ी का अंतर मिलता है। और फिर भी, जोनाथन, जो इस मामले में पूरी तरह से आत्म-बलिदान कर रहा है, जोनाथन, दाऊद के साथ अपनी वाचा बनाने में, दाऊद की पुष्टि करने में, दाऊद की रक्षा करने में, मूल रूप से राजा बनने के अपने अवसरों को बर्बाद कर रहा है।

यह जोनाथन के राजा बनने की कीमत पर है कि वह शाऊल का अनुसरण करे और दाऊद के साथ अपनी मित्रता, अपनी वाचा की मित्रता स्थापित करे। हमने रूथ और नाओमी में हेसेड को सक्रिय होते देखा है, बोअज़ और रूथ और रूथ और नाओमी के साथ क्षैतिज स्तर पर हेसेड को देखा है। यहाँ हम इसे दाऊद और जोनाथन के बीच देखते हैं।

और यह एक अद्भुत दोस्ती है जो पीढ़ियों तक चलेगी क्योंकि डेविड बाद में जोनाथन के बेटे की रक्षा करने जा रहा है। खैर, हमें इस डेविड और गोलियत घटना के भूगोल के बारे में खुद को थोड़ा सा एहसास दिलाने के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए। और यहाँ हमें थोड़ा पीछे जाना होगा और खुद को पलिशती शहरों की याद दिलानी होगी।

क्या आपको वे याद हैं? वे लोग जिनके बारे में मैंने कहा था कि आप आने वाली परीक्षा के लिए जानना चाहते हैं? है न? वे यहाँ समुद्र तट पर हैं। दो भीतरी लोग गत और एक्रोन हैं। तो, पलिशती यहाँ के हैं।

लेकिन 1 शमूएल 17 में हमारा पाठ हमें क्या बताता है? यह हमें बताता है कि वे सोकोह और अजेका के बीच में डेरा डाले हुए थे। यहाँ यह जेजेयाह है। वे ठीक इसी क्षेत्र में हैं।

और एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि वे पहाड़ी इलाके में जाने के इरादे से नहीं हैं। यहाँ बेथलेहम है। और इसलिए आप देख सकते हैं कि डेविड के पिता डेविड को वहाँ भेजने और यह देखने के बारे में थोड़ा चिंतित क्यों हैं कि क्या हो रहा है।

क्योंकि अगर इस्राएलियों के लिए हालात खराब होने वाले हैं, तो वे इस घाटी तक मार्च करेंगे, और वे उस पहाड़ी इलाके पर कब्ज़ा कर लेंगे, और जीवन बहुत कठिन हो जाएगा। इसलिए यह इतना महत्वपूर्ण समय है। अब, आइए इसे ज़मीन पर देखें।

यहाँ हम एज़ेकिय्याह पर खड़े हैं। ठीक है? एज़ेकिय्याह पर खड़े होकर एला घाटी को देख रहे हैं, जो ठीक इसी तरह बहती है। यह जूडियन पहाड़ी क्षेत्र है।

ठीक यहीं पर बेथलहम होगा। और सोकोह वह जगह है जहाँ हमारे पास फिलिस्तीनियों का शिविर है। इसमें लिखा है कि सोकोह और अजेका के बीच में डेरा डाला गया था।

तो, यहाँ चारों तरफ़। बस फ़िलिस्तीन की सेनाओं की कल्पना करें। बस इसके बारे में सोचें क्योंकि यह कहता है कि इसराइली सेनाएँ यहाँ घाटी के दूसरी तरफ़ हैं।

और डेविड जा रहा है, यह उन कहानियों में से एक है जहाँ आप यह पता लगा सकते हैं कि यह कहाँ हुआ था। कुछ अन्य, आप थोड़ा सा अनुमान लगा रहे हैं। यह वास्तव में बहुत स्पष्ट है।

तो, हम अपने डेविड और गोलियथ के टकराव की कल्पना कर सकते हैं, जो कि कहीं न कहीं यहीं पर है। बहुत ही रोचक तरह की चीज़ें। लेकिन इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा के बारे में सोचें।

शेफेला का हमारा बफ़र जोन यहीं है। तटीय मैदान पर पलिशियों की महानगरीय सेनाओं और पहाड़ी इलाके में हमारी छोटी बस्तियों के बीच इसकी सुरक्षा के बारे में सोचिए। ठीक है, बुरे समय को साथ लेकर चलते हैं।

फिर से नक्शा उठाते हुए। नोब में क्या होता है? मैं खुद को बोलते हुए सुनकर थक गया हूँ। आगे बढ़ो, रेबेका।

ठीक है, आपके पास क्या है, और वास्तव में, शाऊल के पुजारियों पर गुस्सा होने से पहले ही, आपने डेविड को भागते हुए पाया, है न? और वह वहाँ जाता है, और अहीमेलेक पुजारी है, और डेविड कहता है, मदद करो, हम राजा के एक मिशन पर हैं। झूठ। ठीक है, वह झूठ बोल रहा है।

इसलिए, उसे उपस्थिति की रोटि मिलती है, जैसा कि सारा ने पहले सुझाया था। उसे यह समर्पित रोटि मिली है और वह इसे ले लेता है। उसे गोलियथ की तलवार भी मिलती है और वे भाग जाते हैं।

और कौन है जो यह सब होते हुए देखता है? एक बहुत ही दिलचस्प, बुरा किरदार। सारा? आह, उस समय नहीं। एब्रर बाद में दिखाई देगा।

यह कोई इसराइली भी नहीं है। क्या किसी को कोई याद है, एदोमी? यह आपका आम नाम है। यह एक ऐसा नाम है जिसे आप हर समय देखते हैं।

डोएग। क्या आपके सभी दोस्तों का नाम डोएग नहीं है? डोएग, ठीक है। डोएग एडोमाइट एक मुखबिर है।

वह डेविड को देखता है, वह यह सब होते हुए देखता है, और फिर, रेबेका की बात को ध्यान में रखते हुए, वह जाकर शाऊल को बताता है, शाऊल पूरी तरह से परेशान हो जाता है और मूल

रूप से नोब के सभी पुजारियों को मौत की सज़ा देने का आदेश देता है। उनमें से एक भाग जाता है। और उनमें से एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज़ लेकर भाग जाता है।

यह क्या है? कोई जानता है? यह भविष्य में दाऊद के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है, और यह कुछ ऐसा होने जा रहा है जो शाऊल के पास नहीं है। चेल्सी? हाँ, यह एपोद है। और एपोद में क्या है? छाती का टुकड़ा, जिसमें उरीम और थुम्मीम है।

ठीक है? और इसलिए, बाद में, जब आप पाठ पढ़ना शुरू करते हैं, तो आप देखते हैं कि दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मुझे ऐसा-ऐसा करना चाहिए? और प्रभु की ओर से उत्तर मिलता है। और फिर, और दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मुझे कैला तक जाना चाहिए? हाँ। ऐसा इसलिए है, क्योंकि, सबसे अधिक संभावना है, एब्द्यातार, जो बच गया है, अपने साथ एपोद लाया है, जिसमें वास्तव में, प्रभु से पूछताछ करने का साधन है।

तो, यह वाकई एक महत्वपूर्ण बात होने जा रही है। अब, इसमें जो दूसरी बात होती है, वह यह है कि जब अबियाथर उसके पास आता है, तो डेविड कहता है, अरे नहीं, मैं जानता हूँ कि मैं उन लोगों की मौत के लिए ज़िम्मेदार हूँ क्योंकि मैंने उसे वहाँ देखा था, और मुझे यह समझ लेना चाहिए था कि ऐसा होगा। तो, पहले से ही, डेविड उस बोझ को महसूस कर रहा है और साथ ही साथ अपराध बोध भी महसूस कर रहा है।

दाऊद थोड़े समय के लिए पलिशतियों के पास जाता है। यह इस समय एक तरह की अस्थायी बात है। राजा आकीश है, और आकीश गत का राजा है।

फिर से, गत शहर को याद रखें। यह पलिशतियों के अंदरूनी शहरों में से एक है। इस समय, आकीश कहेगा, ओह, यह आदमी वाकई पागल है।

हम उसे अपने आस-पास नहीं चाहते। इसलिए, दाऊद को और आगे भागना पड़ता है। वह इस समय पलिशतियों के साथ नहीं रहता।

वह बाद में उनके पास वापस आने वाला है। वह असंतुष्टों का एक समूह चुनता है। मेरे पास उद्धरण चिह्नों में एक सेना है।

ये वे लोग हैं जो असंतुष्ट हैं। और आप पंक्तियों के बीच में पढ़ सकते हैं। वे शायद शाऊल की चीज़ों को बिखरते हुए देख रहे हैं।

वे जानते हैं कि डेविड एक लोकप्रिय योद्धा था, और एक अच्छा योद्धा था। और इसलिए, ये लोग अपनी निष्ठा बदल रहे हैं, और वे डेविड की सेना में खुद को जोड़ना जारी रखेंगे। मेरे पास जंगल के इलाके के चारों ओर एक छोटा सा घेरा है जहाँ हम उसे बहुत समय बिताते हैं, यहीं पर।

अगर आप देखें, तो यह देखना थोड़ा मुश्किल है। यहाँ से मेरे लिए देखना मुश्किल है, इसलिए पीछे शायद कोई उम्मीद न हो। यहाँ माओन है।

यहाँ कार्मेल है। यहाँ जिप्फ़ है। तीन शहर जो इन अध्यायों में इस खंड में दिखाई देते हैं जिनके बारे में हम पढ़ते रहे हैं।

माओन और कार्मेल विशेष रूप से अबीगैल के साथ पूरी कहानी में दिखाई देते हैं। क्योंकि उस कहानी में हमारे पास नाबाल या नेवल नाम का एक आदमी है, जिसका मतलब क्या है? सबसे बुरे किस्म का मूर्ख। जब हम नीतिवचन की किताब में आते हैं, तो हम मूर्खों और मूर्खों के लिए अलग-अलग हिब्रू शब्दों के बारे में बात करने जा रहे हैं।

यह सबसे बुरा है। यह सबसे नास्तिक, अनैतिक, कठोर दिल वाला है। और यही उसका नाम है।

उसकी पत्नी के साथ दिलचस्प विरोधाभास, जो डेविड को खुश करने के लिए बाहर आती है। और मैं उन बातों को पढ़ना चाहता हूँ जो वह डेविड से कहती है जब वह उन सभी चीज़ों के साथ बाहर आती है जिन्हें उसके पति ने डेविड को देने से मना कर दिया था। और वैसे, डेविड ने उनके लिए एक एहसान किया था।

दाऊद और उसकी सेना नाबाल के चरवाहों की रक्षा कर रही थी। इसलिए दाऊद वहाँ जाकर सिर्फ़ यह नहीं कह रहा था कि, कृपया मुझे कुछ सामान दे दो, नहीं तो कुछ और। वह कह रहा था, कृपया मुझे वह दे दो जो तुम मेरी सुरक्षा के लिए देना चाहते हो।

लेकिन जब अबीगैल बाहर आती है, तो उसके पास कहने के लिए कुछ दिलचस्प बातें होती हैं। मैं श्लोक 28 से शुरू कर रहा हूँ। यहोवा मेरे स्वामी के लिए एक स्थायी राजवंश अवश्य बनाएगा, दाऊद से बात करते हुए, क्योंकि वह यहोवा की लड़ाई लड़ता है।

जब तक तुम जीवित रहो, तुममें कोई गलत काम न पाया जाए। दूसरे शब्दों में, वह उससे कह रही है, अपने हाथों पर खून न लगने दो, और इस संदर्भ में निर्दोषों का खून तुम्हारे हाथों पर न लगने दो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे लिए एक राजवंश बनाने जा रहा है। वह भविष्यवाणी कर रही है।

पद 29: भले ही कोई तुम्हारा पीछा करके तुम्हारा प्राण हर ले, परन्तु मेरे स्वामी अर्थात् दाऊद का प्राण तुम्हारे परमेश्वर यहोवा द्वारा जीवितों की गठरी में सुरक्षित रूप से बाँधा जाएगा। पद 31, मेरे स्वामी के विवेक पर अनावश्यक रक्तपात या स्वयं का बदला लेने का भारी बोझ न आने दें। शुरू से ही, अबीगैल को एक सुंदर और बहुत बुद्धिमान महिला के रूप में वर्णित किया गया है, और वह यहाँ दाऊद के साथ जिस तरह से व्यवहार करती है, उससे यह दर्शाती है।

तो, यहाँ दाऊद के लिए कुछ दिलचस्प पल घटित हो रहे हैं, क्योंकि वह शाऊल से भाग रहा है। कुछ बातों पर गौर करना चाहिए। अगर आप बाईं ओर की तस्वीर को देखें, तो आप देख सकते हैं कि शायद हमें उन कहानियों में से एक को समझने में मदद मिले।

यह कई घाटियों में से एक है, खड़ी, खड़ी वी-आकार की घाटियाँ, वी-आकार की घाटियाँ से भी ज़्यादा जो इस जंगली इलाके में काटी गई हैं। वहाँ बहुत ज़्यादा बारिश नहीं होती, लेकिन जब लाखों सालों में पहाड़ी इलाकों में बारिश होती है, तो आपको इन घाटियों में पानी भरता हुआ

दिखाई देता है। आप इस तरफ़ के रास्ते पर चल सकते हैं और, आप जानते हैं, उस तरफ़ किसी से बात कर सकते हैं और फिर भी उन तक नहीं पहुँच सकते।

अब, मैं अध्याय 26 से कुछ पढ़ता हूँ। हाँ, यह एक और मामला है जहाँ दाऊद शाऊल की जान बख़्श रहा है। वह शिविर में चला गया है।

शाऊल सो रहा था। अब्नेर सो रहा था। वे शाऊल का हेलमेट लेते हैं, और वे उसका भाला, पानी की बोतल, माफ़ कीजिए, और भाला लेते हैं, और चले जाते हैं।

और फिर, श्लोक 13 में कहा गया है कि दाऊद दूसरी तरफ़ चला गया। उनके बीच काफ़ी दूरी थी। उसने सेना और नेर के बेटे अब्नेर को पुकारा, क्या तुम मुझे जवाब नहीं दोगे? और फिर उनके बीच यह आदान-प्रदान हुआ।

और अब्नेर और शाऊल दाऊद तक नहीं पहुँच सकते क्योंकि वहाँ स्पष्ट रूप से बहुत अधिक जगह है। नीचे जाने और फिर से ऊपर चढ़ने में कुछ घंटे लगेंगे। और फिर भी दाऊद, कुछ मायनों में, शाऊल और अब्नेर को विशेष रूप से ताना मार सकता है।

तो इससे हमें इस बात का थोड़ा सा अहसास होता है कि यह कथा अपने भौगोलिक संदर्भ में कैसे सामने आ सकती है। यहाँ, हमारे पास बस जंगल की एक तस्वीर है। मुझे लगता है कि मैंने इसे आपको पहले भी दिखाया है।

लेकिन यह ऐसा इलाका है, जिससे डेविड भाग रहा होगा। यह बंजर है। कुछ जगहें ऐसी हैं, जहाँ पानी के स्रोत और झरने हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह बंजर है।

डेविड एक गढ़ से दूसरे गढ़ तक जाएगा। आपने शायद यह देखा होगा जब आप पाठ के माध्यम से अपना काम कर रहे थे। लेकिन ज्यादातर समय, यह बहुत निराशाजनक चीज़ें हैं।

ओह, उस पर बहुत जल्दी हो गया। आगे बढ़ते हुए, जैसा कि आप अध्याय 27 को देखते हैं, शाऊल कुछ कर रहा है, शाऊल नहीं, आकीश, क्षमा करें, आकीश कुछ बहुत ही दिलचस्प कर रहा है। डेविड आखिरकार उसके पास वापस जाता है।

याद रखें मैंने कहा था कि वह पहले वहाँ गया था, ज़्यादा समय तक नहीं रुका, इससे वह थोड़ा असहज था। लेकिन अब शाऊल से काफ़ी समय तक भागते रहने के बाद, अध्याय 27 की आयत 1, दाऊद ने अपने आप से सोचा, इन दिनों में से एक दिन मैं शाऊल के हाथों नष्ट हो जाऊँगा। सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकता हूँ वह है पलिशियों के पास जाना।

तो, वह करता है। लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है कि पलिशती यहाँ हैं।

मैं फिर से शहरों के बारे में बात करूँगा। क्या आपको लगता है कि इन फ़िलिस्तीन शहरों के बारे में जानना ज़रूरी है? अच्छा, यह शानदार है। यहाँ गाजा, अशकलोन, अशदोद हैं।

गथ, एक्रोन। तो, वे वहाँ हैं। और यह एक तरह से केंद्रबिंदु है।

पाँच पलिशती शहर। माना कि वे पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं, वे उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन वे शहर हैं। आकीश ने जो किया वह दाऊद को सिकलग नामक स्थान पर ले जाना था, जो यहीं है।

और आप सोच रहे होंगे कि, यह एक उबाऊ जगह है। लेकिन शायद ऐसा नहीं है। क्योंकि जब तक हम इस क्षेत्र में और अधिक व्यापक रूप से अध्ययन करना शुरू नहीं करते, तब तक हमें यह नहीं पता कि यह नेगेव के माध्यम से है, और आप देख सकते हैं कि पश्चिमी नेगेव मेरे सफेद दीर्घवृत्त द्वारा आधा नष्ट हो गया है, लेकिन यह पश्चिमी नेगेव के माध्यम से है कि आप सदियों से बहुत, बहुत अच्छा मसाला व्यापार कर रहे हैं।

मसाले सऊदी अरब से आते हैं, दूर पूर्व से, और उन्हें भूमध्य सागर तक पहुँचाने का एक तरीका है कि आप उन्हें नेगेव के रास्ते से ऊँट के ज़रिए लाएँ, ऊँट रेगिस्तान का जहाज़ है। और इसलिए, वहाँ से एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग गुज़रता है, और शायद आकीश जो कर रहा है वह यह है कि वह डेविड को इस बात की निगरानी करने के लिए नियुक्त कर रहा है कि सामान यहाँ से कैसे आ रहा है। तो अगर आप चाहें तो वह डेविड को शेरिफ नियुक्त कर रहा है।

अब, डेविड क्या करता है? अगर आप इस बारे में खुलकर बात करना चाहते हैं तो यह एक योजना है, या एक चाल है, या एक सरासर झूठ है। डेविड इस स्थिति में क्या करता है? यह वास्तव में राजनीतिक रूप से चतुराईपूर्ण है। यह विशेष रूप से सत्य नहीं है।

आइये इसे घटित होते देखें। अध्याय 27. श्लोक 6, आकीश उसे सिकलग देता है।

श्लोक 8, दाऊद और उसके आदमी ऊपर गए और गेशेरियों, गेरज़ियों और अमालेकियों पर हमला किया, और आप सोच रहे हैं, ओह हाँ? तो? लेकिन वह जो कर रहा है, मूल रूप से, यहाँ नीचे अर्ध-खानाबदोश और खानाबदोश लोगों पर हमला कर रहा है। अमालेकियों का सफाया नहीं हुआ है। और इसलिए वे अभी भी यहाँ नीचे हैं, खासकर उत्तरी सिनाई, पश्चिमी नेगेव क्षेत्र में।

और इसलिए, दाऊद कुछ ऐसा कर रहा है जिससे लोगों को पीछे धकेला जा सके जो दक्षिणी यहूदा के लोगों के जीवन को दयनीय बना रहे थे। आइए पढ़ते रहें। श्लोक 9, जब भी दाऊद ने किसी क्षेत्र पर हमला किया, तो उसने एक भी पुरुष या महिला को जीवित नहीं छोड़ा, भेड़ और गाय, गधे और ऊँट और गायें ले लीं, और फिर वह आकीश के पास लौट आया।

और वह क्या कहता है? बात यह है। आकीश ने पूछा, आज तुम कहाँ छापा मारने गए थे? और दाऊद ने कहा, ओह, ठीक है, मैं किसके खिलाफ छापा मारने गया था? अगली आयत क्या कहती है? यहूदा के नेगेव के खिलाफ। यरकमियल के नेगेव के खिलाफ, या केनियों के नेगेव के खिलाफ।

वह आकीश से कह रहा है कि वह यहूदा के लोगों, यहूदी लोगों पर हमला कर रहा है। मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि यहूदी शब्द का इस्तेमाल यहाँ इस्राएलियों के लिए सही नहीं है।

यही बात वह आकीश से कहता है। वह कहता है कि मैं अपने ही लोगों पर हमला कर रहा हूँ। यहूदा के नेगेव पर।

यह वह सामान है जो इस्राएलियों का है। यहूदा के गोत्र का दक्षिणी भाग। इसलिए, वह आकीश से कहता है, अरे, मैं तुम्हारे पक्ष में हूँ।

चिंता मत करो। मैं वहाँ नीचे उन इस्राएलियों की देखभाल कर रहा हूँ। और फिर भी, वास्तव में, वह जो कर रहा है वह अर्ध-खानाबदोशों के खिलाफ उन इस्राएली सीमाओं की रक्षा करना है।

अब, यह क्यों महत्वपूर्ण है? खैर, वह आकीश के साथ अच्छे संबंध बना रहा है ताकि आकीश उस पर भरोसा करे और अब उसे संदेह न हो। और वह भविष्य के लिए अपने लिए राजनीतिक पूंजी भी जमा कर रहा है। क्योंकि वह कौन सी जनजाति होगी जो दाऊद को राजा नियुक्त करेगी? यहूदा।

वह पहले यहूदा का राजा है। और ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें राजनीतिक ऋण चुकाना है। वह उनके प्रति अच्छा रहा है।

ठीक है। खैर, किसी भी हालत में, हमें इस अमालेकी व्यवसाय के बीच में, वास्तव में एक और कहानी से निपटना होगा। लेकिन कम से कम मुझे फिलहाल इसका उल्लेख करने दें।

जब दाऊद इस्राएलियों के विरुद्ध पलिशियों के साथ युद्ध करने के लिए निकलता है, जिसके बारे में हम आगे चर्चा करेंगे, तो वह अपने परिवार को सिकलग में छोड़ देता है। और अमालेकी लोग आकर हमला कर देते हैं। जाहिर है।

मेरा मतलब है, क्योंकि उन पर डेविड ने हमला किया है। अब उन्हें अपना मौका दिख रहा है। अध्याय 30 में, डेविड उन पर पलटवार करता है।

और यही इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह अमालेकियों से भिड़ेगा, अमालेकियों द्वारा भागे गए सभी सामान को वापस लाएगा। यहाँ हमारा उद्देश्य अगले दस मिनट एक बहुत ही रोचक कहानी में बिताना है।

लेकिन हमारी बहुत ही रोचक कहानी को समझने के लिए, हमें यह देखना होगा कि क्या हो रहा है। आइए सबसे पहले दाईं ओर दिए गए नक्शे को देखें। हो सकता है कि अगली परीक्षा में भी कोई नक्शा हो।

हो सकता है। यहाँ, आपके पास फिलिस्तीनी शहर हैं। क्या आपने उन्हें पहले ही नीचे गिरा दिया है? ठीक है, यह उनका क्षेत्र है।

जब हमने इस पूरी बात को शुरू किया, तो मैंने जो बातें कहीं, उनमें से एक यह थी कि फिलिस्तीनियों के पास अपने क्षेत्र से आगे जाकर इजरायल में गहरी पैठ बनाने का एक तरीका

है। और जब लड़ाई उत्तर की ओर बढ़ती है, तो यह इस तरह काम करता है। वे यहाँ से ऊपर की ओर बढ़ते हैं।

वे माउंट कार्मेल से होकर गुज़रते हैं। वे चार उत्तरी जनजातियों को काटकर जीवन को बहुत दयनीय बनाने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि मैंने पिछली बार यही कहा था।

चार उत्तरी जनजातियाँ दक्षिणी जनजातियों से अलग हैं। तो, यहाँ तक पूरे रास्ते में एक फिलिस्तीनी उपस्थिति है। अब, नक्शे पर, यह माउंट मोरेह है।

आप इसे बाईं ओर की तस्वीर में देख सकते हैं। यह माउंट गिल्बोआ है। आप इसे वहाँ भी देख सकते हैं।

बीच में, वह पूरा घाटी क्षेत्र। जैसा कि आप शाऊल की मृत्यु तक की घटनाओं की कहानी पढ़ते हैं, एक बात जो हम जानते हैं वह यह है कि माउंट मोरेह के पूर्वी किनारे पर, दूसरे शब्दों में, यहीं या वहीं, एंडोर नामक एक छोटी सी जगह है। क्या यह नाम आपको आज पढ़ी गई कहानियों से मिलता जुलता लगता है? एंडोर में क्या हुआ था? आगे बताइए, सुज़ाना।

वहाँ एक चुड़ैल है। अच्छा। और उसका क्या? ठीक है।

और हम थोड़ी देर में उसके जादू के निहितार्थों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जैसा कि आपने कहा। लेकिन यहाँ क्या हो रहा है, इस पर ध्यान दें। आप बिल्कुल सही कह रहे हैं।

शाऊल भेष बदलकर गया है। और वह भेष बदलकर क्यों गया है? क्योंकि उसे प्रभु से कोई संदेश नहीं मिला है। परमेश्वर की ओर से कोई वचन नहीं है।

और वह हताश है। क्योंकि यहाँ इस्राएली गिलबोआ पर्वत पर डेरा डाले हुए हैं, जैसा कि पाठ हमें बताता है। इस्राएल और वहाँ डेरा डाले हुए हैं।

यहाँ और मोरेह पर्वत पर पलिशती लोग हैं। शाऊल प्रभु से एक संदेश पाने के लिए इतना बेताब है कि वह इसे पाने के लिए दुश्मन की सीमा के पीछे चला जाता है। यह पलिशतियों के उस पूरे समूह के साथ एक वास्तविक जोखिम उठाना है जो टिड्डियों के बादल की तरह है।

और वह एंडोर में इस चुड़ैल तक पहुँचने के लिए दुश्मन की रेखाओं के पीछे छिप जाता है। और, ज़ाहिर है, जैसा कि वह कहती है, और जैसा कि सुज़ाना ने कहा, यहाँ क्या हो रहा है? आपने कथित तौर पर चुड़ैलों को निष्कासित कर दिया है। और उसे उसे शांत करना है और कहना है, चिंता मत करो।

कृपया वही करें जो मैंने आपको करने के लिए कहा है। लेकिन नक्शा ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें इस बात का थोड़ा सा अंदाज़ा देता है कि इस समय शाऊल कितना जोखिम उठा रहा है। और फिर हमें यह भी पता चलता है कि यह आदमी कितना हताश है क्योंकि वह अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुँच रहा है।

खैर, देखते हैं कि यह कैसे काम करता है। अध्याय 28 वह है जिसे हम वास्तव में देखना चाहते हैं। जब वह वहाँ पहुँचेगा, तो मैं पढ़ना शुरू कर दूंगा क्योंकि यह यहाँ बहुत ही आकर्षक चीज है।

श्लोक 8 में शाऊल ने दूसरे कपड़े पहनकर अपना भेष बदला। वह उस स्त्री के पास गया और कहा, मेरे लिए किसी आत्मा से पूछो। मैं जिसका नाम लूँ, उसे बुलाओ।

और वह कहती है कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। शाऊल ने उससे शपथ ली, यहोवा के जीवन की शपथ, तुम्हें दण्ड नहीं दिया जाएगा। औरत ने पूछा, मैं किसको बुलाऊँ? और शाऊल ने कहा, शमूएल।

और फिर क्या होता है? इस पर उसकी प्रतिक्रिया से आपको यह आभास होता है कि अब तक, उसका जादू-टोना शायद एक दिखावा था। शायद वह अब तक सबको ठग रही थी। क्योंकि जब सैमुअल वास्तव में प्रकट होता है, तो वह पूरी तरह से भयभीत हो जाती है।

ध्यान दें, श्लोक 12 में, जब महिला ने शमूएल को देखा, तो वह अपनी पूरी आवाज़ में चिल्लाई। और वैसे, जब लोग अपनी पूरी आवाज़ में चिल्लाते हैं, तो यह वास्तव में एक तीखी चीख होती है। तुमने मुझे धोखा क्यों दिया? तुम शाऊल हो।

और फिर राजा ने उससे पूछा, तुम क्या देख रही हो? मुझे यकीन नहीं है कि तुम्हारा NIV आगे क्या कहता है, लेकिन महिला ने कहा, मैं एलोहिम को देखती हूँ। मैं एलोहिम को ज़मीन से ऊपर आते हुए देखती हूँ। वह क्या है? मुझे पता है कि NIV में लिखा है, मैं एक आत्मा को देखती हूँ, लेकिन हिब्रू शब्द एलोहिम है।

क्या आप जानते हैं इसका क्या मतलब है? भगवान? भगवान? अब, शायद उसका मतलब यह नहीं है कि मैंने भगवान को एक एलोहिम के रूप में देखा जिसने स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण किया है, उत्पत्ति अध्याय 1। लेकिन उस शब्द का अनुवाद भी किया जा सकता है, बहुवचन अर्थ में, यहाँ कुछ बहुत ही अजीब अभिव्यक्ति है, जिसे वह शायद अपने मन में किसी तरह से अलौकिक देवता के रूप में पहचान रही है, शायद। किसी भी दर पर, इसलिए मैं आत्मा अनुवाद के साथ इतना उत्सुक नहीं हूँ। यह इसे कमज़ोर कर रहा है।

मैं एलोहिम को आते हुए देखता हूँ। वह उसका वर्णन करती है, और शाऊल जानता है कि यह शमूएल है। और अब यहाँ दिलचस्प बात है।

ओह, हम अभी उस पर बात नहीं करना चाहते थे। बस, मैं इसका समर्थन करूँगा। सैमुअल के पास एक संदेश है, और यह एक बहुत ही भयावह संदेश है।

पद 16. अब जब यहोवा तुमसे दूर हो गया है और तुम्हारा शत्रु बन गया है, तो तुम मुझसे क्यों सलाह लेते हो? यह सुनना भयानक बात है। यहोवा तुम्हारा शत्रु बन गया है, शमूएल ने शाऊल से कहा।

उसने मेरे द्वारा जो भविष्यवाणी की थी, उसे पूरा किया है। उसने तुम्हारे हाथों से राज्य छीनकर दाऊद को दे दिया है। क्योंकि तुमने यहोवा की आज्ञा नहीं मानी और न ही अमालेकियों के विरुद्ध उसके क्रोध को पूरा किया, इसलिए यहोवा ने आज तुम्हारे साथ ऐसा किया है।

तो, हम फिर से वही बात दोहराते हैं जो हमने पिछली बार कही थी। आज्ञाकारिता, आज्ञाकारिता, आज्ञाकारिता ही परमेश्वर चाहता है। हालाँकि कभी-कभी आज्ञाकारिता बहुत कठिन हो सकती है, लेकिन आज्ञाकारिता ही परमेश्वर चाहता है।

यहोवा इस्राएल और तुम्हें दोनों को पलिशतियों के हाथों में सौंप देगा। कल तुम और तुम्हारे बेटे मेरे साथ होंगे। और हाँ, शमूएल दूसरी तरफ है।

खैर, युद्ध वास्तव में होता है। शाऊल बुरी तरह घायल हो जाता है। वह अपने हथियार वाहक से अपनी जान लेने के लिए कहता है।

वह ऐसा नहीं करेगा। इसलिए, शाऊल खुद अपनी तलवार पर गिर जाएगा। श्लोक 7. जब घाटी के पार के इस्राएलियों और यरदन के पार के सभी लोगों ने देखा कि इस्राएली सेना भाग गई है और शाऊल और उसके बेटे मर गए हैं, तो उन्होंने अपने शहरों को छोड़ दिया और भाग गए।

पलिशतियों ने आकर उन पर कब्ज़ा कर लिया। क्या आप देख रहे हैं कि यहाँ क्या हुआ है? पलिशतियों ने इस समय जो कुछ भी इसराइल था, उसे पूरी तरह से तबाह कर दिया है। क्योंकि इसराइली भाग गए हैं और पलिशतियों ने उनके अपने शहरों पर कब्ज़ा कर लिया है।

यह पूरी तरह से विनाश है और शाऊल भी इसके साथ ही मर गया है। जब दाऊद को राज्य विरासत में मिलेगा तो उसे बहुत सारी गड़बड़ियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसे शुक्रवार को देखेंगे।

लेकिन चलिए पढ़ते रहें। श्लोक 8. अगले दिन जब पलिशती मृतकों को लूटने आए तो उन्होंने शाऊल और उसके तीन बेटों को गिलबोआ पर्वत पर गिरे हुए पाया। और ध्यान दें कि उन्होंने शवों के साथ क्या किया।

यह एक बदसूरत बात है। उन्होंने उसका सिर काट दिया, उसकी सेना को लूट लिया, पलिशतियों के देश में खुशखबरी सुनाने के लिए दूत भेजे। राजाओं की मौत पर खुशी मनाई जा रही है।

अष्टोराह के मंदिर में रख दिया गया और उसके शरीर को बेत शान की दीवार से बांध दिया गया। तो कुछ बहुत ही भयानक चीजें। अब, यहाँ दिलचस्प बात है।

1 शमूएल के अंतिम अध्याय की आयत 11. जब गिलाद के याबेश के लोगों को पता चला कि पलिशतियों ने शाऊल के साथ क्या किया है, तो वे पूरी रात यात्रा करके बेत शान पहुँचे। उन्होंने शाऊल और उसके बेटों की लाशें उतारीं और याबेश पहुँचे, जहाँ उन्होंने उन्हें जला दिया।

अगर आप कहें तो जबेश-गिलाद के लोग शाऊल और जोनाथन तथा भाइयों के शवों को बचाने और उनका सम्मान करने के लिए इतने इच्छुक क्यों हैं? जबेश-गिलाद क्यों? सारा? खैर, मैं इसे इस तरह से पूछता हूँ। इसका बेंजामिन के गोत्र से क्या संबंध है? वास्तव में, अगर वे जॉर्डन के पार जा रहे हैं, तो बेंजामिन वहाँ नहीं होगा। यह गोत्र होगा; मुझे लगता है कि यह रूबेन या गाद होगा, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि वास्तव में कौन सा है।

लेकिन यह बेंजामिन के गोत्र से बहुत ही रोचक तरीके से जुड़ा हुआ है। केटी, न्यायियों की पुस्तक के अंत के बारे में सोचो। हाँ, वहाँ एक रिश्ता है, है न? ठीक है? तो आपको एक वास्तविक चिंता है।

वे पहचान रहे हैं कि शाऊल ने उनके लिए कुछ अच्छा किया है, और इसलिए, वे भी कुछ अच्छा करने जा रहे हैं। और शाऊल ने उनके लिए कुछ अच्छा किया था क्योंकि न्यायियों की पुस्तक के अंत में वापस जाते हुए, जैसा कि मैंने कहा, वहाँ से इनमें से कुछ महिलाओं को बेंजामिन के गोत्र को फिर से भरने के लिए ले जाया गया था। तो, आपके पास एक तरह का लंबा धागा कनेक्शन चल रहा है।

खैर, अमालेकी, दिलचस्प बात यह है कि 2 शमूएल अध्याय 1 में, एक आदमी आता है, कहता है कि वह युद्ध में था। डेविड पूछता है, तुम कौन हो? वह कहता है कि मैं एक अमालेकी हूँ। और वह दावा करता है कि उसने शाऊल को मार डाला है।

अब, बेशक, वह शायद ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि उसे लगता है कि डेविड उसे पुरस्कृत करने जा रहा है। और फिर भी डेविड फिर से, जैसा कि वह इस पूरी प्रक्रिया के दौरान लगातार करता रहा है, डेविड फिर से कहने जा रहा है, मैं, ठीक है, वह ऐसा नहीं कहने जा रहा है, लेकिन हम पंक्तियों के बीच पढ़ने जा रहे हैं, मैं किसी ऐसे व्यक्ति से कोई लेना-देना नहीं रखना चाहता जिसने शाऊल को मार डाला हो या शाऊल को चोट पहुंचाई हो या शाऊल और उसके बेटों को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाया हो। डेविड नहीं चाहता कि उस पर, जैसा कि मैंने पहले कहा, राजगद्दी हड़पने का आरोप लगे।

और इसलिए वह अमालेकी से विशेष रूप से प्रसन्न नहीं है। कहता है, क्या तुम प्रभु के अभिषिक्त को नष्ट करने के लिए अपना हाथ उठाने से नहीं डरते थे? और फिर उसे मार गिराता है। और फिर अंत में, अध्याय का दूसरा भाग कविता के रूप में वही पुष्टि करता है जो मैं अभी कह रहा था।

दाऊद अपने शत्रुओं के पतन पर खुश नहीं है। वह ऐसा नहीं करता। इस मामले में उसके शत्रु शाऊल हैं।

इसके बजाय, वह सबसे मार्मिक गीतों में से एक लेकर आता है। हे इस्राएल, तेरी महिमा तेरी ऊंचाइयों पर मारी गई है। श्लोक 23, शाऊल और जोनाथन, जीवन में वे प्रिय और अनुग्रहकारी थे, मृत्यु में, वे अलग नहीं हुए, उकाबों से अधिक तेज, सिंहों से अधिक शक्तिशाली।

श्लोक 25, कैसे वीर युद्ध में मारे गए हैं। योनातान तुम्हारे शिखरों पर मारा गया है। हे योनातान, मेरे भाई, मैं तुम्हारे लिए शोक करता हूँ।

तुम मुझे बहुत प्रिय थे। मेरे लिए तुम्हारा प्यार अद्भुत था, महिलाओं के प्यार से भी ज़्यादा अद्भुत। कैसे शक्तिशाली गिर गए, कैसे युद्ध के हथियार नष्ट हो गए।

और इस तरह दाऊद उस वाचा प्रेम की गहन गहराई की पुष्टि करता है जिसे उसने और जोनाथन ने साझा किया था। जोनाथन अब मर चुका है, और दाऊद को उसका दर्द बहुत गहरा लगता है। यह हमें शाऊल के विचार के अंत तक ले आता है। जैसा कि मैंने कहा, इस समय राज्य खस्ताहाल है।

शाऊल का राज्य जो अच्छी तरह से शुरू हुआ था, अब लगभग बिखर चुका है। डेविड को इसे एक साथ रखना होगा, और हम शुक्रवार को देखेंगे कि यह कैसे काम करता है। आपका दिन शुभ हो।